17-19/7/19
July.

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–बहराईच।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,
जिला महिला चिकित्सालय, बहराईच।

पत्र संख्या : 01/एस.पी.एम.यू./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/देवीपाटन मण्डल/19–20/3663 दिनांक 23-07-19

विषय : सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा चिन्हित गैप्स/समस्याओं के निराकरण किये जाने के सम्बंध में।

महादया/महोदय,

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई./19–20/18/2867–2 दिनांक 01.07.2019 के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल द्वारा दिनांक 17–19 जुलाई, 2019 के मध्य जनपद–बहराईच में जिला महिला चिकित्सालय एवं अन्य चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था।

भ्रमण दल द्वारा आपके जनपद की चिकित्सा इकाईयों/जिला महिला चिकित्सालय पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से दिए गये सुझावों को इस पत्र के साथ संलग्न कर इस निर्देश के साथ प्रेषित किया जा रहा है कि उन पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी एवं महाप्रबन्धक, आर0बी0एस0के0/नोडल अधिकारी, देवीपाटन मण्डल को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक : यथोक्त

भवदीय

(थमीम अंसरिया ए)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्या : 01/एस.पी.एम.यू./सहयोगात्मक पर्यवेक्षण/देवीपाटन मण्डल/19–20 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, बहराईच ।
3. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, देवीपाटन मण्डल।
4. समस्त विभागाध्यक्ष राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
5. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, देवीपाटन मण्डल।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला लेखा प्रबन्धक, जिला अरबन कोर्डीनेटर, बहराईच।

(थमीम अंसरिया ए)
अपर मिशन निदेशक

पर्यवेक्षण आख्या जनपद–बहराईच
भ्रमण दिनांक 17–19 जुलाई 2019

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई./19–20/18/2867–2 दिनांक 01.07.2019 द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु दिये गये निर्देश के कम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 17–19 जुलाई, 2019 के मध्य जनपद–बहराईच का भ्रमण किया गया।

भ्रमण टीम के सदस्य :–

1. योगेन्द्र कुमार यादव, एस.एन.सी.यू., कोऑर्डीनेटर।
2. जमाल अहमद, कार्यकम समनव्यक

वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां)
भ्रमण क्षेत्रः– सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फखपुर

दिनांक 17.07.2019 को वी0एच0एन0डी0 (सामुदायिक गतिविधियां) के अर्न्तगत युद्वस्तर पर चिन्हित किये गये बच्चों के टीकाकरण हेतु चलाये जा रहे अभियान के पर्यावेक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फखपुर से प्लान प्राप्त कर गांव–जनकपुर छेदीपुरवा के आंगनबाड़ी केन्द्र में चल रहे सत्र का टीम द्वारा भ्रमण किया गया।

पर्यवेक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

- सत्र माईक्रोप्लान के अनुरूप किया जा रहा था एवं ए.एन.एम./आशा के पास आवश्यक लाजिस्टिक उपलब्ध थी। एवं गर्भवति महिलाओं की जांच हेतु अलग से व्यवस्था (टेबल व पर्दा की) थी।
- सत्र पर बी0सी0जी0 नही थी एवं जे0 ई0 की वैक्सिन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं थी।
- एक गृह प्रसव का भ्रमण किया गया, ऐसा 102 एम्बुलेन्स नहीं मिल पाने के कारण हुआ।
- विप्स के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय, ढोंगाही बटुराहा आयरन की गोली उपलब्ध नहीं रहने के कारण बच्चों को नहीं खिलाई जा रही थी।
- आर0बी0एस0के0 टीम द्वारा विगत तीन वर्षों से उच्च प्राथमिक विद्यालय, ढोंगाही बटुराहा का भ्रमण नहीं किया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र– फखपुर, बहराईच

भ्रमण बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• चिकित्सालय भवन गत पांच वर्ष पूर्व हस्तांतरित किया गया है। भवन में जगह जगह दीवारों एवं छतों में सीलन पाया गया।	टीम द्वारा इस समस्या से जिला कार्यकम प्रबन्धक को अवगत करा दिया है। एवं चिकित्सालय प्रशासन को भवन के मरम्मत हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराईच से पत्र व्यवहार करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराईच/ अधिशासी अभियन्ता
• सेवा प्रदाता अवनी परिधि द्वारा उपलब्ध कराये गये कर्मियों को समय से मानदेय नहीं दिया जा रहा है।	इस समस्या के समाधान हेतु जिला कार्यकम प्रबन्धक को जल्द दूर कराने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, फखपुर / जिला कार्यकम प्रबन्धक/जिला लेखा प्रबन्धक बहराईच
अग्निशामक यंत्र है परन्तु उस पर Expiry/ Refilling की तिथि अंकित नहीं है। अग्निशामक यंत्र के संचालन हेतु कोई भी कर्मी प्रशिक्षित नहीं है।	अग्निशामक को Refill कराकर Expiry/Refilling की तिथि अंकित कराने तथा प्रशिक्षण कराने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, फखपुर (ब्लॉक स्तर)
• सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं। • डाईट चार्ट Display नहीं किया गया था।	लेबर रूम में को व्यवस्थित कराने के लिए प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	

• लेबर रूम का ऑटोक्लेव खराब पाया गया। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल / सेप्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यक्ता है। • NBCC Functional नहीं था।		
• Bio Management Waste Storage हेतु कमरों का निर्माण कराया गया है। Bio Waste के निस्तारण हेतु अनुबन्धित सेवा प्रदाता द्वारा नियमित रूप से बायोवेस्ट को उठाने हेतु वाहन नहीं भेजे जा रहे हैं।	चिकित्सालय प्रशासन को इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराईच से पत्र व्यवहार करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, फखपुर / मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच ।
सी0एच0सी0, से सम्बद्ध 102 एम्बुलेन्स की स्थिति दयनीय, निम्नवत कमी पाई गई– • एम्बुलेन्स का ए0सी0 / लाईट / एल.सी.डी. डिस्पले खराब है, पर्दा नहीं है, स्ट्रेचर टूटा है एवं बैक डोर का लॉक खराब है। • एम्बुलेन्स के पाईलॉट एवं ई.एम.टी. के बगैर ऐपरन में पाए गए। • एम्बुलेन्स का मैनटेनैंस एजेन्सी जी0वे0के0 द्वारा ठीक से नही किया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, फखपुर एवं जिला कार्यकम प्रबन्धक, बहराईच को इन कमियों को जल्द दूर कराने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	नोडल अधिकारी 102–108 / प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, फखपुर / जिला कार्यकम प्रबन्धक / मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच ।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, (एफ0आर0यू0) मोतीपुर, बहराईच

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, (एफ0आर0यू0) मोतीपुर, जनपद मुख्यालय से लगभग 65 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। जो लगभग 5 से 6 लाख की आबादी को अपनी सेवाएं दे रहा है। टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, (एफ0आर0यू0) मोतीपुर का भ्रमण अस्पताल के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 राम नारायण, जिला कार्यकम प्रबनधक, बहराईच के साथ किया गया।

भ्रमण बिन्दु	सुझाव / सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
चिकित्सा केन्द्र एफ.आर.यू. के रूप में कियाशील नहीं है। स्त्री रोग विशेषज्ञ, एवं एनेस्थिसिया के चिकित्सक की यहां तैनाती नहीं की गई है। ब्लड स्टोरेज यूनिट नहीं है।	टीम द्वारा सुझाव दिया गया है कि चिकित्सा अधीक्षक, सी0एच0सी0, मोतीपुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच से इस सम्बन्ध में पत्र व्यवहार करें।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, मोतीपुर, / मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच ।
अग्निशामक यंत्र है परन्तु उस पर Expiry/ Refilling की तिथि अंकित नहीं है। अग्निशामक यंत्र के संचालन हेतु कोई भी कर्मी प्रशिक्षित नहीं है।	अग्निशामक को Refill कराकर Expiry/Refilling की तिथि अंकित कराने तथा प्रशिक्षण कराने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक, सी0एच0सी0, मोतीपुर ब्लॉक स्तर
• सामान्य प्रसव वाले सभी लाभार्थी 48 घन्टे चिकित्सालय में नहीं रूक रहे हैं। • लेबर रूम का ऑटोक्लेव खराब पाया गया। • प्रसव कक्ष में कार्यरत स्टाफ नर्स को लेबर रूम प्रोटोकॉल / सेप्टी प्रोटोकॉल एवं इंफेक्सन कन्ट्रॉल की जानकारी हेतु Re-orientation की आवश्यक्ता है।	लेबर रूम में को व्यवस्थित कराने के लिए प्रभारी चिकित्साधिकारी को सुझाव दिया गया।	

जैव संकट से सुरक्षा के लिए चिकित्सालय प्रांगण में Bio Management Waste Storage हेतु कमरों का निर्माण कराया गया है। Bio Waste के निस्तारण हेतु अनुबन्धित सेवा प्रदाता द्वारा नियमित रूप से बायोवेस्ट को उठाने हेतु वाहन नहीं भेजे जा रहे हैं।	चिकित्सालय प्रशासन को इस सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराईच से पत्र व्यवहार करने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, मोतीपुर / मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच ।
भ्रमण के दौरान पाया गया कि सी0एच0सी0, मोतीपुर से सम्बद्ध तीन 102 एवं दो 108 एम्बुलेन्स जो पुराने हो चुके हैं जिनमें निम्नवत कमी पाई गई– • एम्बुलेन्स का ए0सी0 / लाईट / एल.सी.डी. डिस्पले खराब है, पर्दा नहीं है, स्ट्रेचर टूटा है एवं बैक डोर का लॉक खराब है। • एम्बुलेन्स के पाईलॉट एवं ई.एम.टी. के बगैर ऐपरन में पाए गए। **शासन द्वारा दो नए एम्बुलेन्स दिए गये हैं जो अभी उपयोग में लाया नहीं जा रहा है, चिकित्सालय प्रांगण में खड़ी पाई गई।** **भ्रमण के दौरान ज्ञात हुआ कि एम्बुलेन्स से सम्बद्ध कर्मियों को दो माह से मानदेय नहीं दिया गया है।**		नोडल अधिकारी 102–108 / प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, मोतीपुर / जिला कार्यक्रम प्रबन्धक / मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच ।
लेबर रूम में "न्यू बोर्न केयर कार्नर" में रेडियंट वार्मर कियाशील नहीं था। लेबर रूम में प्रोटोकॉल पोस्टर पदर्शित थे। लेबर रूम में आटोक्लेव (Autoclave) भी कार्य कर रहा था । स्टेरलाईजड़ डिलीवरी सेट उपलब्ध थे। पार्टोग्राफ का प्रयोग किया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, मोतीपुर एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, बहराईच को संज्ञान करा दिया गया है, एवं इन कमियों को जल्द दूर कराने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, मोतीपुर एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, बहराईच
वार्ड में भर्ती प्रसूता को जे0एस0एस0के0 के अंतर्गत निशुल्क: भोजन एवं औषधि उपलब्ध करायी जा रही थी, सफाई व्यवस्था संतोष जनक थी। परन्तु लाभार्थियों को दिये जा रहे भोजन एव नाश्ते का विवरण निर्धारित प्रारुप / अभिलेख के रुप में कहीं भी दर्शाए नहीं गए थे। डाईट रजिस्टर भी नहीं पाया गया।		
डिस्चार्ज से पहले नवजात बच्चों को ओ0पी0भी0 एवं हेपेटाइटिस बी की जन्म वाली खुराक दी जा रही है परन्तु बी0सी0जी0 की कमी के कारण यह टीका नहीं लगाया जा रहा है।		
आर0के0एस0के0 क्लिनिक पर कार्यरत परामर्शदाता श्री बागीश कुमार द्वारा लाभार्थियों की काउन्सिलिंग सुचारू रूप से नहीं की जा रही है। कोई भी IEC प्रदर्शित नहीं किया गया था। उनके पास कोई भी रिकार्ड / रजिस्टर / औषिधि नहीं पाया गया। पुछे जाने पर उनके द्वारा बताया गया कि सभी वर्णित समग्री उपर अलमारी में रखा है। उनहें Anemia के बारे में भी कुछ जानकारी नहीं थी।	इस सम्बन्ध में जनपदीय नोडल अधिकारी को जानकारी टीम द्वारा दे दी गई है। श्री बागीश कुमार, आर0के0एस0के0, परामर्शदाता के Re-orientation कराने हेतु सुझाव दिया गया।	नोडल अधिकारी, आर0के0एस0के0, जनपद बहराईच

• औषधि स्टोर – औषधि का भण्डारण व्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है परन्तु औषधि की सूची प्रदर्शित नहीं किया गया था।		

जिला महिला चिकित्सालय–बहराईच

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• जिला महिला चिकित्सालय, बहराईच के एस0एन0सी0यू0 कक्ष में बीमार नवजात शिशुओं के भर्ती हेतु कुल 5 शय्या है। जिससे सभी बीमार नवजात शिशुओं को आकस्मिक सेवा देने में बाल रोग विशेषज्ञ को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।	टीम द्वारा सुझाव दिया गया कि एस0एन0सी0यू0 कक्ष में बेडों की संख्या 05 से बढ़ाकर 12 की जाए। रेडियन्ट वार्मर एवं अन्य उपकरणों की उपलब्धता हेतु मांग पत्र बाल स्वास्थ्य अनुभाग, राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 लखनऊ को शीघ्र भेजा जाए।	मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय–बहराईच/महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य अनुभाग, राज्य कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 लखनऊ
जिला महिला चिकित्सालय, बहराईच मैटरनिटी विंग (100 बेडेड) अपूर्ण रूप से हस्तांतरित किया गया है। • चिकित्यालय के छः मंजिला भवन में लिफ्ट संचलित नहीं है। • भवन में जगह जगह दीवारों एवं छतों में सीलन पाया गया। विभिन्न वार्डों से पानी के निकास हेतु ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया है। कर्मियों/मरीजों के बैठने हेतु फर्नीचर की कमी है।	टीम द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका, जिला महिला चिकित्सालय– बहराईच को मेडिकल कॉलेज के प्रिंसपल एवं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा से पत्र व्यवहार करने का सुझाव दिया गया। चुंकि इस चिकित्सालय को मेडिकल कॉलेज के अधीन कर दिया गया है।	महिला चिकित्सालय–बहराईच/ प्रिंसपल मेडिकल कॉलेज के प्रिंसपल बहराईच एवं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा, उ0प्र0

उपकेन्द्र–मदराहा, बहराईच

भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
• उपकेन्द्र–कैसरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का एक डिलेबरी प्वाईन्ट है। जहां दो ए0एन0एम0 की तैनाती की गई है। • बिजली की वारिंग नहीं की गई है रनिंग वाटर की व्यवस्था नहीं है एवं बायोवेस्ट पिट नहीं बना हुआ है। • Mc Intosh गंदी एवं फटी हुई थी Kelispad में हवा नहीं भरा गया था। • HWC के अन्तर्गत इस केन्द्र पर एक कमरे का निमार्ण कराया गया है, जिसे हस्तांतरित नहीं किया गया है। अभी से ही इस कमरे की दीवारों पर सीलन पाया गया है। जिसे ठीक कराने की आवश्यकता है।	ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक, कैसरगंज, को प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, कैसरगंज एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, बहराईच की सहायता से इन कमियों को जल्द दूर कराने का सुझाव टीम द्वारा दिया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी, सी0एच0सी0, कैसरगंज एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, बहराईच

समीक्षा बैठक

दिनांक 18.07.2019 को अपराह्न 04 बजे से राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण टीम द्वारा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 जयंत कुमार की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबन्धक, अरबन कोअर्डीनेटर, आर0के0एस0के0 कोअर्डीनेटर, डी0आई0ई0सी0 प्रबन्धक, जनपद के समस्त ब्लॉक के ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक, ब्लॉक लेखा प्रबन्धक, एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर, के साथ विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी सम्मिलित हुए। जनपद स्तर पर एक निविदा खोले जाने हेतु पूर्व में निर्धारित कार्यक्रम के कारण मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला लेखा प्रबन्धक, बहराईच द्वारा इस बैठक में अनुभाग नहीं किया जा सका। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई–

- ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक एक्सन प्लान बनाने पर चर्चा की गई। एवं नियमित रूप से ब्लॉक लेखा प्रबन्धक एवं जिला लेखा प्रबन्धक द्वारा हर माह मदवार व्यय बुक करने पर बल दिया गया।
- टीम द्वारा बैठक में RCH Portal के संचालन के बारे में विस्तार से ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक एवं एम0सी0टी0एस0 ऑपरेटर को जानकारी दी गई। साथ ही UPHMIS Portal पर डाटा अपलोड करने को कहा गया।
- अनुश्रवण एवं मूल्यांकण तथा आर0बी0एस0के0 टीम को सुचारू बनाने एवं प्रत्येक विद्यालय/आंगनबाड़ी केन्द्र के भ्रमण हेतु वाहनों का अनुबन्ध हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। इस पर चर्चा की गई।
- अनुश्रवण एवं मूल्यांकण की रिपोर्टिंग/चेकलिस्ट के भरे जाने का अनुपालन, राज्य स्तर से उपलब्ध कराई गई गईडलाईन के अनुसार ससमय किया जाए।
- संस्थागत प्रसव की संख्या में बढ़ोतरी कराये जाने के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही जे0एस0वाई0 के अन्तर्गत लाभार्थी के भुगतान को सुचारू बनाने पर भी बल दिया गया।
- Bio Waste के निस्तारण हेतु अनुबन्धित सेवा प्रदाता द्वारा नियमित रूप से बायोवेस्ट को उठवाया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिसके लिए सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारी/नोडल अधिकारी/ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा इसकी निगरानी की जाए।
- जिन संविदा कर्मियों का कार्यकाल 03 वर्ष तथा 05 वर्ष पूर्ण हो चुका है, उनका लायल्टी बोनस नियमानुसार शीघ्र दे दिया जाए।

पर्यवेक्षण के उपरान्त टीम द्वारा चिन्हित गैप्स के हर बिन्दुओं पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराईच से उनके कार्यालय में वार्ता की गई। चिन्हित किये गये समस्त गैप्स से अवगत कराया गया। उनके द्वारा टीम को आश्वास्त किया गया कि समस्त गैप्स को जल्द ही ठीक करा दिया जाएगा।

Yogendra 22/07/19

योगेन्द्र कुमार यादव,
कोऑर्डीनेटर, एस.एन.सी.यू.

जमाल अहमद
कार्यक्रम समनव्यक,